



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रतिभार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

11/1

सं. 33]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 20, 1995/फाल्गुन 1, 1916

No. 33]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 20, 1995/PHALGUNA 1, 1916

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 273(पीएन)/92-97

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1995

विषय:— शुल्क मुक्त स्कीम के अंतर्गत सोयाबीन सत्व के निर्यात हेतु सोयाबीन बीज के आयात के लिए विशेष स्कीम।

सं. 3/99/94-आईपीसी-2.— यथासंशोधित निर्मात और आयात नीति 1992-97 के पैरा-53 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए महानिदेशक विदेश व्यापार एतद्वारा निम्ननुसार सोयाबीन सत्व के निर्यात और उत्पादन के लिए सोयाबीन के आयात हेतु निम्नलिखित विशेष प्रक्रिया अधिसूचित करते हैं:—

(क) आवेदक सोयाबीन प्रोसेसरस एसोसियेशन आफ इंडिया, इंदौर के पास सोयाबीन सत्व के निर्माता के तौर पर पंजीकृत हो, तथा निर्माता-निर्यातक की क्षमता में आरसीएमसी भी रखता हो। आवेदक विगत दो लाइसेंसिंग वर्षों यानी 1992-93 और 1993-94 में सोयाबीन सत्व निर्माण गतिविधियों में भी संलग्न रहा हो;

(ख) लाइसेंस धारक को 30 सितम्बर, 1995 तक सोयाबीन के आयात का सीमा पूरा करना होगा तथा 31 मई, 1995 तक पाश्र्विक आधार पर इसकी नियमित सूचना देनी होगी और उसके बाद मासिक आधार पर सूचना लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को देनी होगी। निर्यात दायित्व को लाइसेंस जारी करने की तारीख से 12 महीनों के भीतर पूरा करना होगा;

(ग) सोयाबीन आयात करने के लिए शुल्क मुक्त लाइसेंस प्रदान करने हेतु आवेदक पर केवल विदेश व्यापार महानिदेशालय के मुख्यालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली की अग्रिम लाइसेंसिंग समिति द्वारा विचार किया जायेगा। एग्जिम/प्रक्रिया के मौजूदा प्रावधान के साथ-साथ समिति द्वारा लगाई गई अतिरिक्त शर्तें भी समान रूप से लागू होंगी;

(घ) आवेदक को केवल सोयाबीन सत्व का निर्मात करना होगा। शुल्कमुक्त आयातित सोयाबीन से निकले हुए सोयाबीन तेल को केवल घरेलू बाजार में बेचना होगा। लाइसेंस धारक निर्मात के शिपिंग बिल में सत्वों के नाम दर्शित हुए निर्मात व्यापार/

स्टार व्यापार/सुपर स्टार व्यापार के माध्यम से सोयाबीन सत्वों का निर्यात करने का भी पात्र होगा।

हालांकि ऐसी स्थिति में निर्यात-निष्पादन, लाइसेंसधारी का उक्त निष्पादन है। सोयाबीन के आयात के प्रयोजन के लिए लाइसेंसधारी प्रक्रिया पुस्तक, 1992-97 (खंड-I) के पैराग्राफ 229 की शर्तों के तहत निर्यात/व्यापार/स्टार व्यापार/सुपर-स्टार व्यापार सदन की सेवाओं का भी उपयोग कर सकता है,

- (इ) सोयाबीन-तेल और सोयाबीन-सत्व की प्रति मी. टन औसत पैदावार क्रमशः 18% और 80% आंकी गई है। फिर भी खरेलू बाजार में सोयाबीन तेल की विक्री को ध्यान में रखकर ही, लाइसेंसधारी सामान्य सूत्र क्षेत्र के देशों का सोयाबीन सत्व का निर्यात निम्नलिखित आयात एवं निर्यात मानदण्डों और 33% न्यूनतम सूत्र संयोजन के अनुसार किया जाएगा:—

आयात	निर्यात
50 मी. टन सोयाबीन	100 मी. टन सोयाबीन सत्व

- टिप्पणी:—(1) इस योजना के तहत सोयाबीन-सत्व का निर्यात केवल सोयाबीन के आयात के वास्तविक आयात को देखकर किया जाएगा।
- (2) इस तथ्य के बावजूद कि सोयाबीन सत्व की पैदावार सोयाबीन-बीज के 80% तक सीमित है, सोयाबीन-सत्व के उपरोक्त और अधिक निर्यात की आवश्यकता-पूर्ति लाइसेंसधारी को घरेलू बाजार में स्वयं ही करनी होगी।
- (3) उपर्युक्त उप-पैरा(ग) में दिए गए अनुसार सोयाबीन बीज का प्रति मी. टन 18% प्राप्ति की दर पर उत्पादन को सोयाबीन तेल का अंश घरेलू उत्पादन के लिए अनुमति होगा।

- (ज) आवेदक की हकदारी का निर्धारण भारतीय सोयाबीन संसाधन संघ, इन्दौर द्वारा अप्रैल, 1992 से मार्च 1994 की अवधि के दौरान आवेदक की सोयाबीन सत्व तैयार करने की क्षमता के बारे में भेजी गई सूचना के आधार पर किया जाएगा। जैसा कि लाइसेंस में दिया गया है लाइसेंसधारी को सोयाबीन बीजों के आयात और सोयाबीन सत्व के निर्यात की सूचना विदेश व्यापार महानिदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली और भारतीय सोयाबीन संसाधन इन्दौर को प्रस्तुत करनी होगी।

- (छ) प्रचलित नीति एवं प्रक्रिया के अनुसार सभी प्रकार से पूर्णतः भरा हुआ आवेदन पत्र उक्त मानदण्ड के अनुकूल विनिर्माता द्वारा 6 मार्च, 1995 तक विदेश व्यापार महानिदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली में फाइल किया जाए। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त किए गए अथवा विदेश व्यापार महानिदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय में फाइल किए गए आवेदन-पत्र पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा। उक्त योग्यता मानदण्ड के अनुकूल सोयाबीन सत्व के विनिर्माता अथवा जिन्होंने सोयाबीन तेल और सोयाबीन सत्व दोनों अथवा केवल सोयाबीन सत्व के निर्यात और उत्पादन के लिए सोयाबीन बीज के आयात के लिए शुल्क छूट योजना के अधीन पट्टन या आवेदन-पत्र दिए हैं, उन्हें वर्तमान विशेष योजना के अनुसार एक लाइसेंस की मंजूरी के लिए अपने लम्बित आवेदन-पत्र को परिवर्तित करने का विकल्प होगा। ऐसे आवेदन विदेश व्यापार महानिदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली में 6 मार्च, 1995 तक किए जाएं;

- (ज) इस विशेष स्कीम के अंतर्गत जारी किए गए शुल्क मुक्त लाइसेंस वास्तविक उपभोक्ता शर्त के अनुसार होंगे तथा निर्यात अनिवार्यता पूरा करने के बाद भी आयात लाइसेंस या आयातित शुल्क मुक्त सोयाबीन को दूसरे स्थान पर ले जाने की सुविधा की अनुमति नहीं होगी।

2. इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

श्यामल घोस, महानिदेशक

MINISTRY OF COMMERCE
PUBLIC NOTICE NO. 237(PN)/92—97
New Delhi, the 20th February, 1995

Subject :—Special Scheme for the Import of Soyabean seed for the Export of Soyabean Extraction Under Duty Exemption Scheme—

F. No. 3/99/94-IPC-II.—In exercise of the powers conferred under paragraph 53 of the Import & Export Policy (1992-97) as amended, the Director General of Foreign Trade hereby notifies the following special procedure for the import of soyabean for the production and export of soyabean extraction as under:—

- (a) The applicant should be a manufacturer of soyabean extraction registered with the Soyabean Processors Association of India, Indore, and should also hold a RCMC in the capacity of manufacturer-exporter. Applicant should also have soyabean extraction manufacturing activity in the preceding two licensing years i.e. 1992-93 and 1993-94;

- (b) The license will have to complete the transaction of import of soyabean by 30th Sept, 1995 and will have to submit regular information on this account on fortnightly basis upto 31st May, 1995 and thereafter on monthly basis to the licensing authorities. The export obligation shall be completed within 12 months from the date of issue of the licence;
- (c) The application for the grant of a duty free licence to import soyabean will be considered only by the Advance Licensing Committee at the Headquarter Office of Directorate General of Foreign Trade, Udyog Bhawan, New Delhi. The existing provision of EXIM Policy/Procedure as well as any additional conditions as may be imposed by the Committee shall be equally applicable;
- (d) The applicant shall be required to export only soyabean extraction. Soyabean oil extracted from the duty free import of soyabean shall be disposed of only in the domestic market. The licence will also be eligible to effect the export of soyabean extractions through an Export/Trading/Star Trading/Super Star Trading House by indicating their name in the Shipping Bill of export. The export performance, in such an event, however, shall continue to be that of the licensee only. For the purpose of import of soyabean the licensee may also avail the services of Export/Trading/Star Trading/Super Star Trading House in accordance with the provision of paragraph 229 of of the Handbook of Procedures, (Vol. I) 1992-97;
- (e) The average yield of soyabean oil and soyabean extraction per one MT of soyabean seed has been worked out as 18% and 80% respectively. However, keeping in view the stipulation of selling the soyabean oil in the domestic market, the licensee will have to export soyabean extraction in accordance with the following import and export norms to GCA countries with a minimum value addition of 33% :—

IMPORT	EXPORT
50 MT of Soyabean	100 MT of soyabean extraction

NOTE :

- (i) The export of soyabean extraction under this scheme shall be made only after effecting import of soyabean;
- (ii) Notwithstanding the fact that yield of soyabean extraction is fixed as 80% per

MT of soyabean seed, the requirement of excess export of soyabean extraction as indicated above will have to be arranged by the licensee on his own account from the domestic market;

- (iii) The soyabean oil portion of output @ 18% yield per MT of soyabean seed shall be permitted for domestic sale as stated in sub-paragraph (c) above.
- (f) The entitlement of an applicant shall be determined on the basis of the information furnished by the Soyabean Processors Association of India, Indore, about soyabean extraction manufacturing performance of the applicant during the period April 1992 to March 1994. The licensee will be required to furnish information about imports of soyabean seeds and export of soyabean extraction as required under the licence to the office of Director General of Foreign Trade, Udyog Bhawan, New Delhi and the Soyabean Processors Association of India, Indore;
- (g) The application complete in all respect in accordance with the existing policy and procedure should be filed by the manufacturers meeting the above criteria with the Office of the Director General of Foreign Trade Udyog Bhawan, New Delhi latest by 6th March, 1995. Any application received after the prescribed date or filed with the regional office of DGFT shall not be considered under any circumstances. The manufacturers of soyabean extraction meeting the above eligibility criteria and who have earlier filed their applications under duty exemption scheme for the import of soyabean seed for production and export of only soyabean extraction or both soyabean extraction and soyabean oil, shall also have the option to convert their pending application for the grant of a licence in accordance with the present special scheme. Such request should also be made by 6th March, 1995 to Director General of Foreign Trade, Udyog Bhawan, New Delhi;
- (h) The duty free licence issued under this special scheme shall be subject to actual users condition and the facility of transferability of imported duty free soyabean or import licence even after meeting the export obligation shall not be permitted.

2. This issues in public interest.

SHYAMAL GHOSH, Director General of Foreign Trade

